पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के पशु चिकित्सा परिसर में मनाया गया विश्व जूनोसिस दिवस

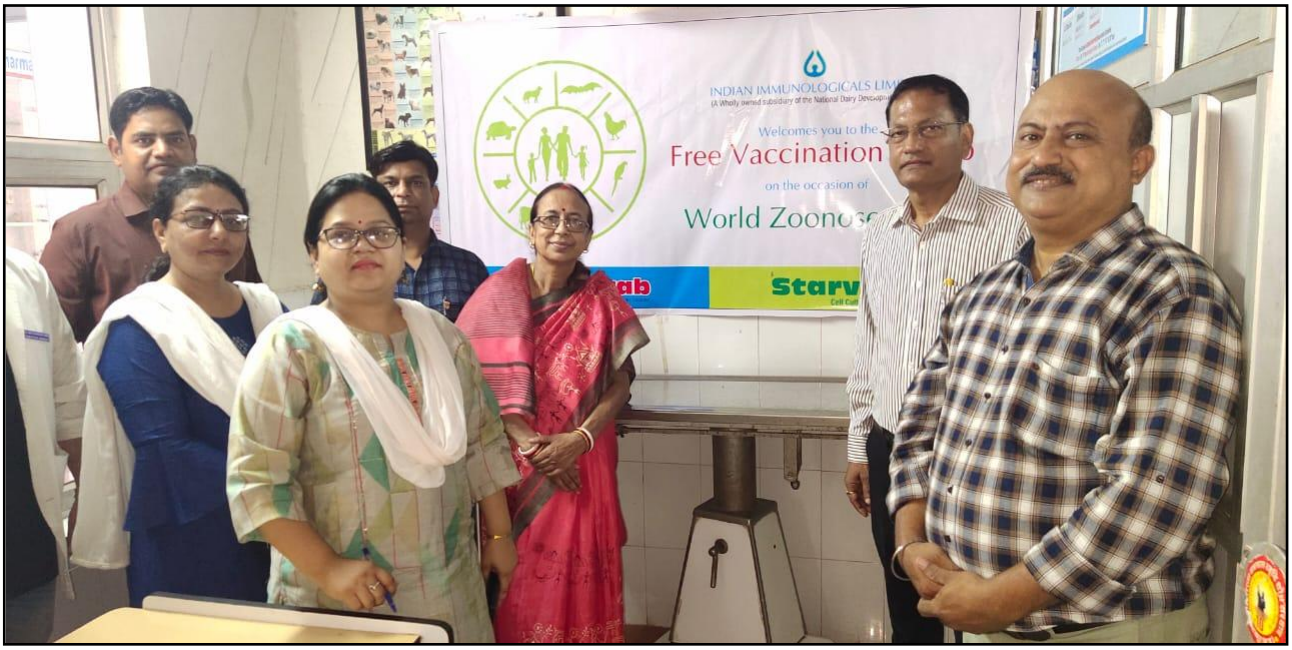

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति श्री सीता प्रसाद तिवारी जी के मार्गदर्शन एवं अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर डॉ. आर.के. शर्मा के दिशा निर्देशन पशु चिकित्सा परिसर में विश्व जूनोसिस दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार दिनांकः 11 जुलाई 2022 को प्रातः 10:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक श्वानों में निःशुल्क एंटी रेबीज टीकाकरण शिविर का आयोजन पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के पशु चिकित्सा परिसर में आयोजित किया गया। जिसमें श्वान पालकों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

विश्व जूनोसिस दिवस हर साल 06 जुलाई को एक जूनोटिक बीमारी के खिलाफ पहले टीकाकरण याद में मनाया जाता है। 06 जुलाई 1885 में लुई पाश्चर ने मानव को रेबीज का पहला टीका लगाया था। रोग जो पशुओं से मनुष्यों में और मनुष्यों से पशुओं में फैलते हैं जूनोटिक रोग कहलाते हैं। इसलिए जूनोटिक रोगों को रोकने के लिए कुछ निवारक उपायों का पालन किया जाना चाहिए।

जूनोटिक बीमारियों से बचाने एवं उसके बारे में जागरूक करने के लिए पशु चिकित्सक का समाज में बहुत बड़ा योगदान है इसलिए विश्व जूनोसेस दिवस के इस अवसर पर इंडियन इम्यूनालॉजिकल कंम्पनी द्वारा स्नातकोत्तर एवं पशु चिकित्सकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर डॉ. आर.वी. सिंह, प्राध्यापक, वेटरनरी पब्लिक हैल्थ ने रेबीज एवं संबंधित तथ्य विषय पर एक बहुत ही जानकारीपूर्ण एवं रोचक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रणबीर सिंह जाटव के द्वारा किया गया एवं इस कार्यक्रम का सफल आयोजन डॉ. कबिता रॉय, डॉ. देवेंद्र गुप्ता, डॉ. अमिता तिवारी, डॉ. बृजेश सिंह, डॉ. अभिषेक बिसेन एवं स्नातकोत्तर छात्र डॉ. अंशुल संधान एवं डॉ. आदित्य सोनी की अहम भूमिका रही।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर